इकाई–2

प्राकृतिक आपदा एवं प्रबंधनः बाढ़ एवं सुखाड़

बाढ़ :

- नदियों की तली में अवसादों के जमाव तथा अतिवृष्टि के कारण बाढ़ आती है। बिहार का उत्तरी क्षेत्र बाढ़ग्रस्त क्षेत्र है।
- कोसी नदी को **'बिहार का शोक'** कहा जाता है।

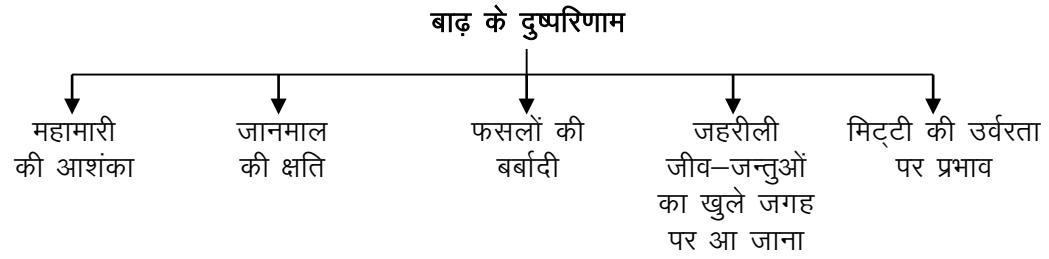

बाढ़ प्रबंधन के उपाय

- पूर्व सूचना तकनीक का सहारा लेना।
- बांधों एवं तटबंधों का निर्माण करना।
- स्तंभों पर आधारित मकानों का निर्माण करना।
- नदी तट से मकान की दूरी कम से कम 250 मीटर होना।
- बाढ़ के समय ऊँचे स्थान पर जाना।
- खाद्यान्न भंडारण करना।
- आवश्यक दवाओं का छिड़काव करना।

भारत के प्रमुख बांध

क्र.	बांध का नाम	नदी	कृत्रिम जलाशयों का नाम
1.	भाखड़ा–नांगल बाँध	सतलज	गोविंद सागर
2.	नर्मदा परियोजना	नर्मदा	सरदार सरोवर
3.	नागार्जुन सागर	कृष्णा	नागार्जुन सागर
4.	कावेरी परियोजना	कावेरी	कृष्णा सागर
5.	रिहन्द बाँध	रिहन्द	पंत सागर

सुखाड़ – सामान्य वर्षा से 75 प्रतिशत कम वर्षा का होना जिससे जल की आपूर्ति में भारी कमी आ जाती है, सुखाड़ कहलाता है।

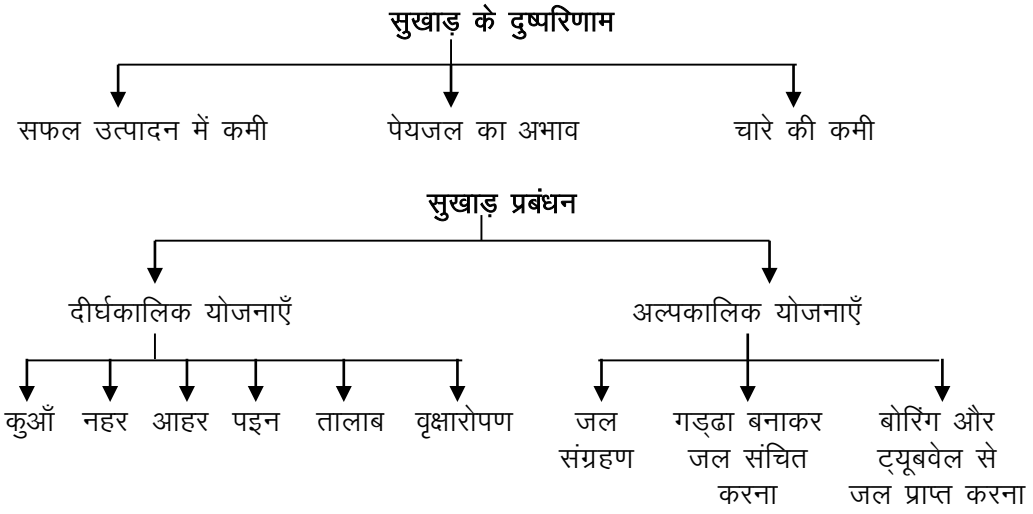

प्रश्न :

1. सुनामी का प्रमुख कारण है?
   (क) समुद्र में भूकंप आना (ख) समुद्र
   (ग) आसमान (घ) इनमें से कोई नहीं।

2. सुनामी किस स्थान पर आता है?
   (क) स्थल (ख) समुद्र
   (ग) आसमान (घ) इनमें से कोई नहीं।

3. 26 दिसम्बर 2004 को विश्व के किस हिस्से में भयंकर सुनामी आया था?
   (क) पश्चिम बंगाल (ख) प्रशांत महासागर
   (ग) अटंलांटिक महासागर (घ) बंगाल की खाड़ी

4. भूकंप एवं सुनामी के विनाशकारी प्रभाव से बचने के उपायों का वर्णन करें।(50–60 शब्दों में लिखे।)